पाठ्यक्रम संरचना कक्षा – XI

विषय – अर्थशास्त्र 303

क्र.	इकाई	विषय वस्तु	आबंटित अंक	कालखण्ड
		भाग – 1 अर्थशास्त्र में सांख्यिकी		
1	01	परिचय	03	07
2	02	आंकड़ो का संग्रह, संगठन तथा प्रस्तुतीकरण	10	27
3	03	सांख्यिकी के उपकरण एवं व्याख्या	27	66
			40	**100**
		भाग – 2 भारतीय अर्थशास्त्र का विकास		
4	04	विकास नीतियॉं और अनुभव (1947 – 90) तथा आर्थिक सुधार 1991 से	12	28
5	05	भारतीय अर्थ व्यवस्था की वर्तमान चुनौतिया	20	60
6	06	भारत और उसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव	08	12
			40	100
		सैद्धांतिक परीक्षा अंक	**80**	**200**
		प्रायोजना कार्य अंक	**20**	
		योग	**100**	

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

"प्रायोजना कार्य की मूल्यांकन योजना" (Evaluation Scheme)

सत्र 2017–18

कक्षा – ग्यारहवीं (XI)

विषय – अर्थशास्त्र (Economics)

Subject Code - 303

अधिकतम अंक : 20 अंक
(Max, Marks 20)

सरल क्रमांक S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंकभार Marks Allotted
1	विषय – वस्तु प्रसंग (Relevance of the topic)	3 Marks
2	विषय–वस्तु ज्ञान/अनुसंधान कार्य Knowledge Cotent/Research work	6 Marks
3	प्रस्तुतिकरण तकनीक Presentation Techniques	3 Marks
4	मौखिक Viva.	8 Marks
	Total (कुल अंक)	**20 Marks**

पाठ्यक्रम संरचना – कक्षा 11 वीं

विषय – अर्थशास्त्र

विषय कोड – (303)

सैद्धांतिक – 80 अंक **प्रायोगिक –20 अंक**

भाग एक – अर्थशास्त्र में सांख्यिकी

इस पाठयक्रम में शिक्षार्थियों से संकलन, संगठन तथा विभिन्न सामान्य आर्थिक पहलूओं संबंधी मात्रात्मक और गुणात्मक जानकारी के प्रस्तुतीकरण का कौशल हासिल करने की अपेक्षा की जाती है। यह कुछ बुनियादी सांख्यिकी उपकरण विश्लेषण हेतु तथा किसी भी आर्थिक जानकारी की व्याख्या चित्रण उपलब्ध कराने का इरादा रखता है। इस प्रक्रिया में शिक्षार्थियों से विभिन्न आर्थिक आकड़ों के व्यवहार को समझने की उम्मीद की जाती है।

इकाई एक – परिचय **कालखण्ड 07**

अर्थशास्त्र क्या है ?
अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का अर्थ, क्षेत्र, कार्य तथा महत्व

इकाई दो – आंकड़ो का संग्रहण, संगठन एवं प्रस्तुतीकरण **कालखण्ड –27**

आंकड़ों का संग्रह, तथा स्त्रोत :– प्राथमिक, द्वितीयक, बेसिक डाटा का एकत्रीकरण कैसे करते है ? प्रतिदर्श सर्वेक्षण।

प्रतिचयन तथा अप्रतिचयन त्रुटियां, डाटा संकलन की विधियां,

द्वितीयक डाटा के कुछ महत्वपूर्ण स्त्रोत, भारत की जनगणना तथा राष्ट्रीय नमूनों सर्वेक्षण संगठन

आंकड़ों का संगठन – चर का अर्थ व प्रकार, बारम्बरता वितरण

आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण – तालिकाबध्द प्रस्तुतीकरण और आरेखीय प्रस्तुतीकरण – 1.
ज्यामितीय आरेख (दण्ड आरेख, वृत्त आरेख) 2. बारंबरता आरेख (हिस्टोग्राम, बहुभुज, तोरण (ogive) 3. अंकगणितीय रेखा चित्र (समय श्रृंखला ग्राफ)

इकाई तीन – सांख्यिकी उपकरण और व्याख्या **कालखण्ड 66**

केंद्रीय प्रवृत्ति की माप – Mean (simple and weighted) median and mode.

परिक्षेपण की माप – मानों के प्रसरण पर आधारित माप – चतुर्थक विचलन, परास, माध्य विचलन और मानक विचलन relative dispersion, परास का परिकलन, चतुर्थक विचलन का परिकलन, मध्य विचलन का परिकलन, मानक विचलन का परिकलन, लोरंज वक्र – अर्थ, निर्माण व अनुप्रयोग।

सहसंबंध – अर्थ तथा गुण, प्रकीर्ण आरेख, सहसंबंध मापने की प्रविधियाँ – कार्यपियरसन की विधि (two veriables ungouped data) स्पीयर्समेन का कोटि सहसंबंध।

सूचकांक – अर्थ तथा प्रकार – थोक मूल्य सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, सूचकांक संख्या का उपयोग, मुद्रास्फिति और सूचकांक संख्या।

भाग दो – भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

इकाई चार – विकास नीतियां तथा अनुभव 1947–1990 तक एवं 1991 से आर्थिक सुधार 1947–1990 तक **कालखण्ड 28**

स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का संक्षिप्त परिचय।

पंचवर्षीय योजना के सामान्य लक्ष्य

कृषि की मुख्य विशेषताएं, समस्याऐं तथा नीतियां (संस्थागत पहलू तथा नयी कृषि रणनीति आदि) उद्योग तथा व्यापार (औद्योगिक लाइसेंसिंग आदि तथा विदेशी व्यापार)

1991 से आर्थिक सुधार

आवश्यकता एवं मुख्य विशेषताएं – उदारीकरण, वैष्वीकरण और निजीकरण।

LPG नीतियों का मूल्यांकन

इकाई 05 – भारतीय अर्थव्यवस्था में वर्तमान चुनौतियां **कालखण्ड 60**

निर्धनता – निरपेक्ष तथा सापेक्ष, निर्धनता निवारण के लिये नीतियां व मुख्य कार्यक्रम, निर्धनता निवारण कार्यक्रम – एक समीक्षा

मानव पूंजी निर्माण – भूमिका, मानव पूंजी के स्त्रोत, आर्थिक विकास में मानव पूंजी की भूमिका, भारत में शैक्षिक उपलब्धियाँ

ग्रामीण विकास – प्रमुख मुददे – क्रेडिट तथा मार्केटिंग – सहकारी समितियों की भूमिका, कृषि विपणन व्यवस्था, उत्पादक गतिविधियों का विविधकरण, वैकल्पिक खेती – जैविक खेती,

रोजगार – औपचारिक और अनौपचारिक, विकास और अन्य मुददे, समस्याएं और नीतियां,

आधारिक संरचना – अर्थ और प्रकार, प्रासंगिकता व स्थिति : ऊर्जा व स्वास्थ्य : समस्याएं तथा नीतियां एक समीक्षा।

पर्यावरण – धारणीय आर्थिक विकास, संसाधनों तथा पर्यावरण पर आर्थिक विकास प्रभाव, ग्लोब वार्मिंग सहित।

इकाई छः – भारत का विकास अनुभव **कालखण्ड 12**

भारत तथा पड़ोसी देशों के साथ तुलनात्मक विकास अनुभव

भारत तथा पाकिस्तान

भारत तथा चीन

मुददे : विकास, जनसंख्या, (जनांकिकीय संकेतक), क्षेत्रीय विकास तथा अन्य विकासक संकेतक।

भाग तीन – अर्थशास्त्र में प्रायोजना **कालखण्ड 20**

उदाहरण स्वरूप दिये गए प्रायोजना के दिशा निर्देशानुसार छात्रों को प्रायोजना बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जा सकता है। कुछ संस्थाओं और दुकानों के अध्ययन से भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसके अंतर्गत छात्रों को पाठ्यक्रम भाग 1 तथा भाग 2 के आधार पर एक व्यापक प्रायोजना करनी है।

उदाहरण स्वरूप कुछ प्रायोजना निम्नानुसार है (जो अनिवार्य नहीं है सुझाव स्वरूप है)

1. अपने पड़ोस के जन सांख्यिकीय संरचना पर रिपोर्ट तैयार करना।
2. परिवारों के बीच उपभोक्ता जागरूकता संबंधी बदलाव लाना।
3. उत्पादकों के लिए मूल जानकारी का प्रसार और उपभोक्ताओं पर इसके प्रभाव।

4. एक सहकारी संस्था का अध्ययन : दुग्ध सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां इत्यादि।
5. सार्वजनिक निजी साझेदारी, आउटसोर्सिंग तथा बाह्य विदेषी प्रत्यक्ष निवेष इत्यादि पर केस स्टडी।
6. ग्लोबल वार्मिंग
7. स्कूलों में लागू करने योग्य पर्यावरण के अनुकूल प्रायोजनाओं को निर्मित कराना (जैसे पेपर व पानी का पुनःचक्रीयकरण)

इस इकाई को प्रारंभ करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को तरीके और साधनों को विकसित करने के लिये सक्षम करना है। कोर्स में सीखने का कौशल का उपयोग करके एक प्रोजेक्ट विकसित किया जा सकता है। एक प्रायोजना डिजाइन करने के समस्त चरण : शीर्षक चुनाव, चयनित शीर्षक संबंधी समस्त जानकारियों का संग्रह, प्रायोजना का प्रस्तुतीकरण, प्राथमिक एवं द्वितीयक डाटा का संग्रह, आंकड़ों का विश्लेषण, प्रयुक्त विभिन्न सांख्यिकीय उपकरण, उनकी व्याख्या, उपयोग एवं निष्कर्ष शामिल है।

टीप :– स्थानीय परिवेश तथा उपलब्धता अनुसार शिक्षक छात्र/छात्राओं को प्रायोजना चयन की अनुमति तथा मार्गदर्शन प्रदान कर सकते है।

.... 00 ....